खबर संक्षेप

प्रेम विवाह के बाद कर दी पत्नी की हत्या

ब्योहारी। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोचरो में रहने वाले संदीप कोल और उसकी प्रेमिका अर्चना कोल बीते 5 से 6 माह पहले ही प्रेम विवाह किया था, नवयुगल जोड़े को यह प्यार रास नहीं आया और शादी के महीनो के अंदर ही दोनों के बीच वाद विवाद होने लगा ग्राम बोचरो में रहने वाली अर्चना 5 से 6 महीने पहले संदीप के प्यार में पडक़र घर से भाग कर संदीप के साथ अपनी खुशी से शादी कर ली थी और दोनों पति-पत्नी बनकर रह रहे थे, कुछ दिनों के बाद ही इन दोनों में किसी ने किसी बात को लेकर वाद विवाद होने लगा और संदीप उसके चरित्र पर संदेह करने लगा,बीते दिवस मामला इतना बढ़ गया कि गुस्से में आए संदीप ने लाठी डंडों से इतनी बेरहमी से पिटाई की, कि नव विवाहिता की मौत हो गई, फिलहाल पुलिस ने संदीप को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान से चोरी करने वाले गिरफ्तार

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना में फरियादी दिनेश प्रसाद मिश्रा पिता भैयालाल मिश्रा उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम सेमरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 13 जून को मैं शाम को शासकीय उचित मूल्य दुकान में ताला बंद कर अपने घर चला गया था। जब 14 जून को घर से अपने शासकीय उचित मूल्य दुकान करकी आया, देखा तो गेट का दरवाजा टूटा था, अंदर रखा 04 बोरा गेंहू नहीं था। प्रत्येक बोरा में स्पलाई कोर्पोरेशन लिमिटेड क्रमांक नंबर 2314 सेवा सहकारी समिति मर्यादित खैरा लेख की पर्ची लगी हुई है। प्रत्येक बोरा में 50 के.जी. गेहूं कुल 02 कुंटल कीमती 4800 रूपये का दरमयानी रात कोई अज्ञात चोर शासकीय उचित मूल्य दुकान करकी का दरवाजा तोडक़र अंदर घुसकर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर दौरान विवेचना आरोपी दादू उर्फ पवन बैगा पिता राजेश बैग उम्र 24 वर्ष एंव रामप्रकाश खटित पिता स्व. रामगरीब खटिक उम्र 22 वर्ष दोनों निवासी करकी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जो घटना घटित करना जुर्म स्वीकार किये , चोरी किये माल 04 बोरा गेहूं कुल 02 क्विंटल कीमती 4800 रूपये का बरामद कराये जिन्हें गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय जयसिंहनगर पेश किया गया है।

सट्टा पर्ची काटते युवक धराया

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्रांतर्गत 14 जून को कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि अमलाई चौक में एक व्यक्ति सट्टा पर्ची के माध्यम से लोगों को पैसे की हार जीत के दाव लगवा रहा है। सूचना पर उक्त स्थान पर जाकर देखा तो एक व्यक्ति सट्टा पर्ची काटते हुए मिला, जिससे नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम शंकर केवट पिता रमेश केवट उम्र 54 वर्ष निवासी बुढ़ार का होना बताया। जिसकी तलासी लेने पर उसके कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं नगदी 270 रुपये जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरूद्ध पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

जल संरक्षण संवर्धन पर्यावरण दिवस घुनघुटी में शून्य

उमरिया। सरकार द्वारा जल संरक्षण संवर्धन और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में 5 जून पर्यावरण दिवस से 16 जून गंगा दशहरा तक जल गंगा अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली के घुनघुटी के गांव की कुआं, बावड़ी, तालाब, नदी, हैंड पंप के अगल-बगल साफ-सफाई और पौधा रोपण नहीं किया गया, जबकि 5 जून से 16 जून के बीच शासन के निर्देशानुसार यह कार्य किया जाना था व अपने से श्रमदान किया जाना था, अभियान के तहत कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्रोत की साफ-सफाई की जानी थी, लेकिन कुछ नहीं आम तौर पर देखा जा रहा कि ग्राम पंचायत में जल संवर्धन पर्यावरण के ऐसे बैनर लगे हैं कि जिसे देख आलाधिकारी व कर्मचारी देखकर समझ जाएं कि यहां कार्य चल रहा है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है, इतना भी नहीं घुनघुटी गांव के श्मशान घाट के बगल में नदी-नालों पर कचरे जमा हुआ है, यहां लोगों को गंदगी के बीच घाट में नहाना पड़ रहा है, वहीं देखा जा रहा है कि घुनघुटी रेलवे के बगल पर बाना झिरिया नाल में भी गंदगी का अंबार पड़ा हुआ है।

कर्मचारियों के लिए चारागाह बना जनपद

अंगद की तरह जयसिंहनगर जनपद में जमें उपयंत्री

शहडोल

जिले भर के शासकीय कार्यालयो से लेकर जिला मुख्यालय तक दर्जनों ऐसे कर्मचारी हैं, जो अपनी पदस्थी दिनांक से लेकर आज तक एक ही स्थान पर अंगद के पैर की तरह जमें हुए हैं। इनमें से कुछ कर्मचारी सेवानिवृत्त तक हो गए हैं। फिर चाहे पद भृत्य, लिपिक अथवा उपयंत्री का। जिले की जयसिंहनगर जनपद शासकीय कर्मचारियों के लिए चारागाह बन चुका है, जो भी कर्मचारी यहां एक बार जम जाता है, वह यहां से जाने का नाम नहीं लेता है, जयसिंहनगर के एक उपयंत्री अपने अधिकारियों सहित निर्वाचन आयोग तक पर भारी पड़ रहा है।

पसंद की पंचायतों में कब्जा

जिले की जयसिंहनगर जनपद अंतर्गत एक दशक पूर्व से पदस्थ उपयंत्री आशुतोष चतुर्वेदी की मनमानी और पंचायतों में मूल्यांकन आदि कार्यो में उनका भ्रष्टाचार और उससे कमाई गई अकूत काली कमाई की चर्चा जनपद से लेकर मुख्यालय तक फैल चुकी है। श्री चतुर्वेदी ने जनपद पंचायतों में से अपनी पसंद वाली पंचायतों पर कब्जा कर रखा है। जहां से उसे डिगाना जनपद या जिंप के सीईओ के अधिकारों से शायद बाहर हो चुका है। यही कारण है कि एक दशक के दौरान हुई शिकायतों के बाद भी श्री चतुर्वेदी वहीं डटे रहे और इस दौरान कई सीईओ आये और चले भी गये।

निरंतर पनप रहा भ्रष्टाचार

जनपद से जुड़े सूत्रों पर यकीन करें तो अपने अधिकार क्षेत्र की पंचायतों में आशुतोष चतुर्वेदी सिर्फ तकनीकी स्वीकृति, स्टीमेट और मूल्यांकन तक ही सीमित नहीं है, पंचायत में होने वाले हर कार्य में जो सामग्री खपाई जाती है, वह कथित उपयंत्री की पसंद वाली फर्म से ही पहुंचती है, यही नहीं दर्जनों बार ऐसी बाते भी सामने आई, जिसमें बिना निर्माण कार्य तथा निर्माण कार्य में लगी सामग्री से अधिक के बिल पंचायतों में लगे और उपयंत्री के प्रभाव में पंचायतों के द्वारा उक्त बिलों के भुगतान संबंधित फर्मों को कर दिये गये, यह क्रम बीते कई वर्षो से लगातार अभी भी निरंतर जारी है।

नहीं डिगा पाया कोई

वर्तमान में श्री चतुर्वेदी के पास लगभग एक दर्जन के आस-पास पंचायतें हैं, जिसमें लाखों का बजट आता है और खर्च हो जाता है, एक लंबे अर्से से श्री चतुर्वेदी का यह दखल रहा है, फर्जी मूल्यांकन और मनमानी तकनीकी स्वीकृति रूपयों के दम पर करने वाले कथित उपयंत्री के खिलाफ दर्जनों शिकायतें हुई, लेकिन उन्हें यहां से कोई डिगा नहीं सका। इस कारण उनका प्रभाव और पंचायत पदाधिकारियों पर उनका दबाव लगातार बढ़ता गया और पंचायत में आनी वाली हर राशि से उनका हिसाब तय होता गया।

शासन की मंशा पर फेरा पानी

आशुतोष चतुर्वेदी नामक कथित उपयंत्री द्वारा अपने कार्य के दौरान शासन से लिये गये वेतन से कई गुना अधिक संपत्ति अर्जित की गई है, इस संबंध में यदि लोकायुक्त या आयकर विभाग वाले कथित उपयंत्री व उससे जुड़े रिश्तेदारों के खाते व संपत्ति को खंगालेगें तो लाखों के गड़बड़झाले का मामला उजागर हो सकता है, एक तरफ केन्द्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार भी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने की दिशा में कार्य कर रही हैं, वहीं दशक भर से एक ही स्थान पर तैनात श्री चतुर्वेदी जैसे कर्मचारी शासन की मंशा पर पानी फेरते नजर आते हैं।

यह कहते हैं कायदे

शासकीय अधिकारी व कर्मचारियों के एक स्थान पर तीन वर्ष पूर्ण होने पर उनका स्थानांतरण किया जाना आवश्यक है, लेकिन जयसिंहनगर जनपद में पदस्थ कथित उपयंत्री कई वर्षो से एक ही स्थान पर जमें हुए हैं, शासकीय कार्य में भ्रष्टाचार के साथ ही अधिकारियों की चापलूसी अथवा दलाली का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है,कथित उपयंत्री को अधिकारियों द्वारा भी तवज्जो दी जाती है। राजनैतिक दलों तथा कर्मचारी संगठन के बैनर तले नेतागिरी कर अपनी राजनैतिक पैठ के चलते उन्हें कोई नहीं हटा पा रहा है।

पुरातत्व विभाग के कर्मचारी ने जबरिया ऐठें रूपये

शहडोल

शनिवार को उमरिया जिले से एक किशोर व किशोरी दर्शन के लिए विराट मंदिर आए थे। जहाँ दर्शन करने के बाद दोनों अपने मोबाइल से मंदिर परिसर मे सेल्फी ले रहे थे। तभी मंदिर मे तैनात पुरातत्व विभाग का अरविंद तिवारी नामक कर्मचारी उनके पास आया और दोनों दर्शनार्थियों को डराने लगा। इतना हीं नही सेल्फी खींचने के एवज मे दोनों को डरा धमकाकर उनसे 500 रुपए फाइन के नाम पर ऐंठ लिए और कोई रसीद भी नही दी गई। हालकि दोनों लोग कहते रहें कि उनके पास केवल इतने ही रुपए हैं। अगर वह ये पैसे दें देंगे तो, उनके पास घर जाने के लिए बस का किराया भी नही बचेगा, लेकिन पुरातत्व विभाग के कर्मचारी ने उनकी नही सुनी और उनसे अवैध रूप से 500 रूपये वसूल कर लिए गए।

दुकानदार को बताया किस्सा

दोनों दर्शनार्थी वहाँ से निराश होकर बाहर बाणगंगा चौराहा स्थित एक दुकान पहुंचे। जहाँ उन्होंने दुकानदार से कहा कि वह उन्हें 500 रुपए नकद दे दे, इसके एवज में वह उसके फोन पे नम्बर पर अपने मित्र से 500 रूपये डलवा दे रहें हैं। इस बात को सुनकर दुकानदार ने दर्शानार्थियों से पूछा कि आखिर तुम इतनी दूर से आए हो और तुम्हारे पास घर जाने का किराया तक नही है। जिसके बाद उन्होंने दुकानदार को सारा घटना क्रम बताया कि किस तरह मंदिर मे उनसे फाइनल के नाम पर रुपए ऐंठा गया है।

पुलिस को दी गई जानकारी

पूरे मामले की जानकारी सोहागपुर पुलिस को दी गई, कुछ ही देर मे वहाँ पुलिस पहुंच गई, जिसके बाद दर्शनार्थियों से पूछताछ के बाद विराट मंदिर मे तैनात पुरातत्व विभाग के कर्मचारी अरविन्द तिवारी को बुलाया गया। पैसे लिए जाने के बात कुबूल करने के बाद उसे पुलिस द्वारा जमकर फटकार लगाते हुए रुपए वापस करने को कहा। जिसके बाद कर्मचारी द्वारा दर्शनार्थियों से लिए गए 500 रुपए उनको लौटा दिया गया, लेकिन विभाग द्वारा अब तक उक्त कर्मचारी के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई। कंजरवेशन असिस्टेंट जी.के.शर्मा ने कहा कि जानकारी नहीं है, अगर ऐसा है तो, गलत है, कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी जायेगी, आगे से ऐसा नहीं होगा।

हड़ताल अवधि में नर्सिंग स्टॉफ पर की गई कार्यवाही का विरोध

शहडोल

नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा हड़ताल अवधि में प्रदेश के नर्सिंग ऑफिसर पर की गईं कार्यवाही के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम भगीरथ लहटे,अपर ज़िला कलेक्टर , शहडोल को ज्ञापन दिया गया और माँग की गईं की तत्काल वेतनवृद्धि रोकने के आदेश को निरस्त किया जाय व हड़ताल अवधी का वेतन आहरित किया जाय इस अवसर पर बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के नर्सिंग ऑफिसर उपस्थित थे । नर्सिंग आफिसर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा हड़ताल अवधि में प्रदेश के नर्सिंग ऑफिसर पर की गईं कार्यवाही, गलत है जिसका पूरे प्रदेश का नर्सिंग स्टॉफ खुलकर निंदा करता है, शहडोल स्थित बिरसा मुंडा

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के जिलाध्यक्ष मेरिना दास, कार्यकारिणी अध्यक्ष राकेश प्रजापति, रूपेंद्र सिंह संभागीय अध्यक्ष, रोहित सिंह सचिव, अनूप सिंह, नर्सिंग ऑफिसर राजेंद्र साहू,भीम सेन सहित नर्सिंग ऑफिसर आदि ने इसका विरोध करते हुए कार्यवाही को रद्द करने की मांग की है।

11 केवी तार टूटा, दो मवेशियों की मौत

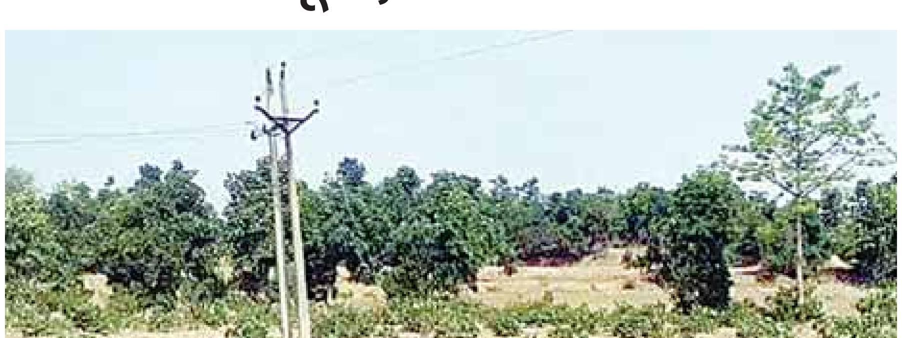

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के साखी मौहार टोला में शनिवार सुबह तेज आंधी-तूफान से 11 हजार केवी का तार टूटकर खेत में गिर गया। तार टूटते ही खेत में चर रहे दो मवेशी इसकी चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। मवेशी चरा रहे लोग दूर थे। इससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया है। लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस की डायल हंड्रेड को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को घटनास्थल से दूर किया। पुलिस ने ही बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को सूचना दी गई। दो घंटे बाद भी बिजली विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल पर किसी को भी जाने की इजाजत नहीं दी। बिजली की तार में करंट की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों को करीब दो घंटे दूर ही रखा। ग्रामीणों का कहना कि यह तार काफी दिनों से नीचे झूल रहा था और बिजली के पोल में अच्छे से फंसा नहीं था। हवा के साथ तार हिलता था। पूर्व में लोगों ने मामले की खबर बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को दी थी, लेकिन बिजली विभाग के कर्मचारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

खेल विभाग में चल रहा बड़ा खेला

विभाग पर लगे घटिया खेल सामग्री की खरीदी के आरोप

शहडोल। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। इंसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो, कीमत बढिय़ा या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होती है, इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है।

दोयम दर्जे की खरीदी

व्यापारी व खेल सामग्री खरीदने वाले संभागीय मुख्यालय के जिम्मेदार अधिकारी मिलकर खेल विभाग में बड़ा खेला कर रहे हैं, खेल विभाग अधिकतर खेल सामग्री स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान रिलायंस, कोल माईंसों द्वारा भी उपलब्ध कराया जाता है, इस पूरे खेल में अजय नामक व्यक्ति का बड़ा रोल रहता है, चर्चा है कि प्राइवेट कंपनिया खेल को बढ़ावा देने के लिए विभाग से खेल सामग्री की लिस्ट मांगती है, जिसके लिए कथित व्यक्ति द्वारा चेहती फर्मों से जा कर दोयम दर्जे की खरीदी करता है और बिल कथित कंपनियों तक पहुंचा दिया जाता है, वह भुगतान कर देती हैं। बीते वर्षो में जितनी भी खेल सामग्री खरीदी की गई है और उसकी जांच हो जाये तो, पूरा खेल सामने आ जायेगा।

एकेडमी भी पीछे नहीं

क्रिकेट भारत के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है, संभागीय मुख्यालय से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यहां के बच्चे अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं, इसी का फायदा उठाते हुए वर्तमान में कई खेल एकेडमी संचालित हैं, जिनके द्वारा बच्चों की प्रतिभा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने की बात की जाती है, चर्चा है कि जब अभिभावक अपने बच्चे को लेकर खेल एकेडमी लेकर जाते हैं, तो पहले उनसे फीस ली जाती है, साथ ही किट के नाम पर मोटी रकम ली जाती है, जिसके बाद उन्हें दोयम दर्जे की किट पकड़ा दी जाती है, कुछ दिनों में किट में मिलने वाली सामग्री खराब हो जाती है तो, वापस अभिभावकों को दुकानों पर जाना पड़ता है, जिससे अभिभावक लुटने को विवश हैं।

प्रकाश के इशारों पर अमरीश दे रहा भ्रष्टाचार को अंजाम

मानपुर नगर परिषद अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क व पुलिया का मामला

मानपुर

विधानसभा मुख्यालय नगरपरिषद क्षेत्र में इन दिनो जगह-जगह सडक़ वा पुलिया का निर्माण जोरों पर है, जहां लाखों करोड़ो की लागत से शासन-प्रशासन द्वारा गुणवतायुक्त सडक़ वा पुलिया बनाने के लिए खर्च किया जा रहा हैं, लेकिन उन्ही रुपयों को कमाई का जरिया मानते हुए ठेकेदार व उनके द्वारा भाड़े पर पाले गए सुपरवाइजर द्वारा खुलेआम भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है, जिसको देखने व सुनने वाला नगर परिषद मुख्यालय क्षेत्र में कोई भी जिम्मेदार तैयार नही है।

सूत्रों की माने तो नगर परिषद मुख्यालय क्षेत्र में करीब आधा दर्जन भर डामर युक्त सडक़ों का निर्माण कराने के लिए करोड़ो रुपए की लागत में रीवा निवासी किसी प्रकाश नामक व्यक्ति द्वारा ठेके पर काम लिया गया है, जो सुपरवाइजर के नाम पर अमरीश नामक व्यक्ति को क्षेत्र में तैनात किया किया गया है, खबर है कि रीवा में बैठे ठेकेदार द्वारा अपने सुपरवाइजर को जिस तरह काम कराने का आदेश दिया जाता है, सुपरवाइजर उसी तरह भ्रष्टाचार युक्त निर्माण कार्य को अंजाम देने में कोई कसर नहीं छोड़ता।

उक्त व्यक्ति जिम्मेदारों को अपने बातों में मिला लेने में माहिर है, जिस कारण उसे क्षेत्र में तैनात किया गया है, जिसके द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को मौके पर हाल ही में देखा जा सकता है, जो किसी से छुपा नहीं है, रही बात नगरपरिषद के जिम्मेदारों की तो, ठेकेदार पहले से ही सब बातचीत बना कर रखा हुआ है, जिस कारण परिषद के जिम्मेदार निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण करने की बात तो दूर काम देखने व इस तरफ जाने तक की हिमाकत नही जुटा पा रहे हैं।

स्टीमेट हटकर निर्माण कार्य

रीवा में बैठे ठेकेदार के इशारों पर सुपरवाइजर द्वारा खुलेआम भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है, वहीं निर्माणाधीन कार्य को मौके पर देखने से पता चला कि पुलिया निर्माण कार्य में नाम मात्र का लोहे का उपयोग किया गया है , जहां घटिया किस्म की सीमेंट का उपयोग करते हुए मिट्टी युक्त चोरी की रेत को उपयोग में लिया गया है, जिसे मौके से देखने पर साफ तरीके से देखा जा सकता है, जिसकी शिकायत के बाद जांच कर कार्यवाही करने के बजाय जिमेदार चुप्पी साधे बैठे हुए हैं।

खंडहर दिख रहा निर्माणाधीन पुलिया

ठेकेदार द्वारा जहां तालाब के पास व नगरपरिषद का नवीन निर्माणाधीन भवन के ठीक पीछे बनाई जा रही पुलिया पूर्णतः गुणवत्ताविहीन है, जहां बनाए गए स्टीमेट को दरकिनार करते हुए ठेकेदार व उनके सुपरवाइजर द्वारा मनमानी तरीके से घटिया निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है, जहां शासन-प्रशासन के पैसों का खुलेआम दुरुपयोग होना दिख रहा है। स्थानीय लोगों ने कलेक्टर से मांग की है कि संबंधित सडक़ व पुलिया निर्माण कार्य का किसी सक्षम अधिकारी से निरीक्षण कराते हुए भ्रष्टाचारी ठेकेदार व उससे संलिप्त लोगों के प्रति कार्यवाही किया जाए, ताकि क्षेत्र में पनप रहे भ्रष्टाचारियों का भंडाफोड़ हो सके और सासन के रुपयों को दुरुपयोग होने से बचाया जा सके।

नाबालिग बालिका को सकुशल खोजकर वापिस लाई पुलिस

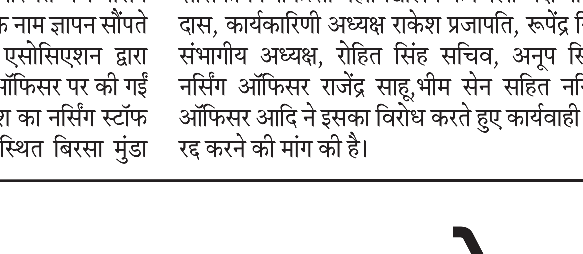

उमरिया। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को नाबालिग गुमशुदा बालक / बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी हेतु प्रयास जारी रखने के लिए निर्देशित किया गया है साथ ही समय-समय पर प्रकरणो की मॉनिटरिंग वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाती है। समस्त थाना प्रभारियों द्वारा गुमशुदा बालक / बालिकाओं के लंबित प्रकरणो के निकाल हेतु भरसक प्रयास किये जा रहे है। इसी कड़ी में थाना कोतवाली पुलिस टीम को अपने प्रयासो के परिणामस्वरूप गुमशुदा नाबालिग बालिका को अहमदाबाद (गुजरात) से सकुशल खोजकर बापिस लाने में सफलता हाथ लगी है ।

29 अप्रैल को फरियादी ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरी उम्र 16 साल 11 माह परिवार में बिना किसी को बताये कही चली गई, जान पहचान बालो में एवं संभावित सभी स्थानो पर पता तलाश किया गया परंतु कोई पता नही चला शक है कि कोई मेरी को बहला-फुसलाकर ले गया है । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 363 ताहि के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना शुरू की गई, विवेचना के दौरान संबंधित जनो से गुमशुदा के संबंध में पूछताछ की कर साक्ष्य एकत्रित किये गये । भौतिक साक्ष्य एवं तकनीकी साक्ष्यो के आधार पर गुमशुदा बालिका के अहमदाबाद (गुजरात) में होने की जानकारी प्राप्त हुई जिस पर उसकी दस्तयाबी हेतु तत्काल पुलिस टीम अहमदाबाद (गुजरात) रबाना हुई अहमदाबाद (गुजरात) में खोजबीन के काफी प्रयास के पश्चात गुमशुदा बालिका को सकुशल खोजकर उमरिया लाया गया । प्रकरण में उचित वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

खबर संक्षेप

पैसे के बल पर आरआई-पटवारी कर रहे सीमांकन

मानपुर। जनपद पंचायत अंतर्गत छटन निवासी तीरथ प्रसाद द्विवेदी ने उप तहसील बरबसपुर से आरोप लगाते बताया गया कि आरआई, पटवारी की मिलीभगत से पूर्वजों की 100 साल जयादा हो गया हम लोगो को अपने जमीन पर कब्जा किए एवं अपनी पुस्तैनी जमीन पर खेती करते हुए लेकिन हम फरियादी की कोई सुनने वाला नहीं है आवेदन प्रस्तुत करने के बाद भी नायब तहसीलदार से लेकर आर आई पटवारी गुंडागर्दी पर उतारू है जब इस समबन्ध में तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर के संज्ञान में मामला आया तो, उनके द्वारा कहा गया कि आवेदन प्रस्तुत करें हम इस मामले को दिखवाते हैं, फरियादी ने कलेक्टर से अपील की हैं कि इस मामले को संज्ञान में लेते हुए उचित कार्यवाही करें।

शांति समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली थाना के घुनघुटी पुलिस चौकी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 17 जून को ईद-उल-जुहा बकरीद त्यौहार का आयोजन किया जाना है, आयोजन की आवश्यक तैयारी के संबंध में घुनघुटी चौकी प्रभारी भूपेंद्र पंत के मार्गदर्शन में शांति समिति की बैठक पुलिस चौकी में हुई, वहीं चौकी प्रभारी भूपेंद्र पंत एवं एसआई शिवपाल तोमर, अभिषेक शर्मा आरक्षक, विकास चतुर्वेदी आरक्षक ने बैठक लेकर त्यौहार के बेहतर आयोजन पर समिति से चर्चा की, उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों तथा प्रतिनिधियों से तैयारी के संबंध में विस्तृत जानकारी ली, उन्होंने उपस्थित समिति के सदस्यों से कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से अगर कोई भ्रामक खबर प्रसारित होते दिखता है तो, पहले उसकी सत्यता की जांच आवश्यक करें, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना उत्पन्न ना हो, शांति समिति में उपस्थित जन-प्रतिनिधि पी.डी.तिवारी, अभय शिवहरे, अशोक नायक, असद खान उर्फ गुड्डा, साकिर खान, जीवन लाल बैगा, पारस कोल, पूनम बैगा, विपिन शिवहरे, शुभ यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

शराब दुकान बिजुरी में मनमाने दर पर बेची जा रही शराब

बिजुरी। बिजुरी नगर में खुली शराब की दुकानों में शराब उपभोक्ताओं को ठेकेदार द्वारा मनमाना कीमत लेकर शराब बेची जा रही है, जिससे उपभोक्ता अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। नियमतः शराब दुकान में शराब की रेट लिस्ट दीवारों पर टंगी रहती है दर्ज कीमत के आधार पर उपभोक्ताओं को शराब बेचने का नियम रहता है मगर बिजुरी शराब दुकान में शराब ठेकेदार द्वारा निर्धारित कीमत से ज्यादा पैसा लेकर शराब बेची जा रही है, जिससे शराब के उपभोक्ताओं में शराब ठेकेदार के विरुद्ध काफी आक्रोश व्याप्त है, शराब उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अन्य क्षेत्रों की तरह बिजुरी नगर क्षेत्र में भी निर्धारित रेट पर ही शराब बेची जाए जिससे उपभोक्ता अपने को ठगा महसूस ना कर सके।

पुलिस की पकड़ से दूर है खनिज माफिया

नमामि गंगे अभियान को पलीता लगा रहे नौकरशाह

शहडोल। इन दिनों रेत का अवैध कारोबार धड़ल्ले जारी है, रेत माफिया खुलेआम अपने ट्रैक्टर में भरकर रेत बेच रहे हैं। ठेकेदार को लाखों के राजस्व की चपत लगा रहें है, प्रशासन चुप्पी साध कर बैठा है। सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रेत से भरे अवैध रेत से भरे वाहन दौड़ते हैं, लेकिन कार्यवाही करने वाला कोई नहीं है। 5 जून से कमिश्नर का नमामि गंगे अभियान चल रहा है, नदी, तालाबों सहित अन्य जल स्त्रोतों की सफाई सहित वृक्षारोपण किया जा रहा है, लेकिन अब यह पूरा अभियान औंधे मुंह गिरता नजर आ रहा है, सोन जैसी बड़ी नदियों की तो बात ही छोड़ दें यहां सरफा जैसी छोटी नदियां भी माफियाओं की मशीनों से छलनी हो रहीं हैं। बताते हैं कि इस नदी में किसी बृजेश ने कब्जा कर रखा है और कंचनपुर के बेसहाई घाट से जमकर रेत की निकासी करा रहा है। इस इलाके में इसकी दादागिरी चल रही है। खनिज विभाग इसके इस अवैध कारोबार की चौकीदारी कर रहा है।

छलनी कर रहे सरफा

सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरफा नदी पर रेत चोर सक्रिय हैं। खुलेआम रेत खनन के साथ ही परिवहन का काम व्यापक पैमाने पर चल रहा है। जवाबदार विभाग कभी कभार सिर्फ परिवहन होती रेत के ट्रैक्टरों को पकडऩे की कार्रवाई करता है। मौके पर पहुंचकर कोई कार्रवाई नहीं होने से इस रेत खनन पर लगाम नहीं लग पा रही। अब तो हालात यह हो गए हैं कि सरफा नदी से रेत खुलेआम निकाली जा रही है। बीते दिनों सरफा नदी को छलनी कर रेत निकालकर ट्रॉलियों में भरने का काम करते लोग देखे गए। रेत चोर सरफा नदी को छलनी कर रेत निकाल रहा हैं।

बेसहाई घाट निशाने पर

बृजेश की रेत कंचनपुर, लालपुर, धुरवार, हर्री आदि गांवो में पहुंच रही है। हालांकि यहां की रेत सोन जैसी नहीं बल्कि काले रंग की है फिर भी उसे पूर्णतया गुणवत्तापूर्ण बताकर मंहगे दामों कारोबार किया जा रहा है। इस माफिया के पास अभी केवल चार ट्रैक्टर ही हैं। लेकिन जल्द ही हाइवा और पोकलेन की व्यवस्था करने की फिराक में है। बेसहाई घाट में दिन रात उत्खनन करा रहा है लेकिन न तो खनिज विभाग धरपकड़ कर रहा है और न कभी पुलिस पहुंचती है। माना जाता है कि पुलिस से भी इसने आर्थिक गठजोड़ बना रखा है।

पाल रखा है अपराधियों को

चूंकि अभी इसके पास पोकलेन, जेसीबी जैसी मशीने नहीं हैं इसलिए इसने ग्रामीण मजदूरों को उत्खनन में लगा रखा है। पानी से रेत निकालने के कारण मजदूरों की जान को निरंतर खतरा बना रहता है। लेकिन गरीब ग्रामीण पैसे की लालच में पानी में घुसकर रेत निकालते हैं और बृजेश नामक माफिया के ट्रैक्टर भर रहे हैं। इस काम में उधिया के किसी ठाकुर को भी संलग्र बताया गया है लेकिन अधिकतर काम बृजेश का ही चल रहा है। बृजेश ने कुछ अपराधियों को भी पाल रखा है जो लोगों को डराते धमकाते रहते हैं।

सरफा का कैसे होगा नमामि गंगे?

कमिश्नर का नमामि गंगे अभियान चल रहा है, लेकिन लगता है सरफा नदी इस अभियान अंतर्गत नहीं आती है, चर्चा है कि स्थानीय अधिकारियों ने बृजेश के चलते सरफा नदी को इस अभियान से किनारे कर दिया, वास्तव में नमामि गंगे अभियान नदियों के पुनर्जीवन का अभियान है और वर्षों बाद नदियों की सुध लेने वाला एक सराहनीय अभियान है लेकिन माफिया के अड़ंगे के कारण इस अभियान की सफलता में संदेह ही उत्पन्न होता है। प्रशासनिक दृढ़ता यहां काफी काम आएगी।

एक ही परिवार के चार सदस्य हुए फ्रूड प्वाइजनिंग का शिकार

बेहोशी की हालात में सभी को लाया गया अस्पताल

मानपुर। विधानसभा मुख्यालय स्थिति ग्राम हंचौरा के एक घर में चतुर्वेदी परिवार की महिलाएं अचानक एक के बाद एक बेहोश होने लगी, जिस कारण घर के साथ साथ उक्त छोटे से गांव में सनाका खिंच गया, लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी, देखते ही देखते मौके पर झाडफ़ूंक वाले गुनी, वैद्य भी आ पहुंचे, लेकिन किसी को होश नहीं आया, आनन-फानन में बेहोशी की हालात में सभी महिलाओं को रात करीब 12 बजे के आस-पास इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां मौके पर चिकित्सक राजेन्द्र मांझी से उनकी मुलाकात हुई, डाक्टर माझी द्वारा तत्काल सभी का इलाज प्रारंभ किया गया, जिसके बाद एक-एक कर सभी को होश आ गया, हालाकि अभी सभी का इलाज जारी है। वही घर के अन्य सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया की रात के भोजन में मिक्स आटे की रोटी बनाई गई थी, जिसमें कोदो, उड़द, चावल, गेहूं आदि का आटा मिक्स करके चूल्हे में रोटी बनाई गई, जिसे खाने के बाद धीरे-धीरे से जिन्होंने रोटी खाई थी, वह बेहोश हो गए, उक्त घटना से घर के अन्य लोग घबरा गए, जिसकी जानकारी गांव में हवा की तरह फैल गई और देखते ही देखते लोगों की भीड़ इक_ा हो गई, जिसके बाद आनन-फानन में सभी को अस्पताल लाया गया, बेहोश होने वालों में शशि चतुर्वेदी उम्र 35 वर्ष, बितुला बाई चतुर्वेदी 55 वर्ष, माया बाई चतुर्वेदी उम्र 58 वर्ष, रामप्रकाश उर्फ झब्बू चतुर्वेदी उम्र 23 वर्ष अस्पताल में इलाजरत बताए गये हैं।

इनका कहना है...

रात करीब 12 बजे के आस-पास ग्राम हंचौरा से चार लोगों को इलाज हेतु स्वस्थ केंद्र लाया गया था जिन्हे देख कर पता चला की वह फ्रूड प्वाइजन का शिकार हुए हैं जिनका तत्काल इलाज प्रारंभ किया गया जो फिलहाल अब सभी खतरे से बाहर हैं

डॉ. राजेंद्र माझी
चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर

कुएं को पुनर्जीवित नहीं कर सके, नपा ने डाल दिया कफन

कमिश्नर के जल-गंगा अभियान की निकली अर्थी

शहडोल। कमिश्नर का जल-गंगा संवर्धन अभियान कितना वजनदार और सार्थक है तथा अधीनस्थ अमला उसे कितना तवज्जो दे रहा है, इसकी झलक मुख्यालय सब्जी मण्डी के अंदर स्थित एक कुंए पर मिलती है। जिसे हरे रंग के कपड़े से ढांक दिया गया है। कुएं की सफाई और उसका पुनर्जीवन नगरपालिका की जिम्मेदारी थी, लेकिन नगरपालिका ने कमिश्नर के आदेश को कहां तक गंभीरता से लिया यह कुंए का हुलिया बता रहा है। यही नहीं सडक़ों के संरक्षण के मामले में भी नगरपालिका ने कमिश्नर की मंशा को केवल ठेंगा ही दिखाया है। लेकिन कठिनाई यह है कि आदेशों की अवहेलना करने वालों पर संबंधित अधिकारी भी रहम कर जाते हैं और नगरपालिका जैसी संस्थाओं के अफसरशाह अपना राज चलाते रहते हैं।

वर्षों से दुर्दशा का शिकार था कुआं

सब्जी मण्डी शहर के वार्ड क्रमांक 12 अंतर्गत स्थित है। यहां लगभग 50 वर्षों पुराना एक कुंआ है। जिसे तब व्यापारियों व लोगों की प्यास बुझाने के लिए सार्वजनिक रूप से शासन द्वारा निर्मित किया गया था। इसके देखरेख की जिम्मेदारी नगरपालिका पर थी। लेकिन इस कुंए का समुचित रखरखाव करने की बजाय नपा ने इस कुंए की इतनी उपेक्षा की कि इसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया। धीरे धीरे इसके इर्द गिर्द गंदगी जमा होने लगी और कुंआ भी भठने लगा। जिस कुंए का पानी लोग पीने के लिए इस्तेमाल करते थे उसी कुंए के इर्द- गिर्द लोग पेशाब कर उसे दूषित करने लगे थे। वर्षों बीत गए नगरपालिका ने कुंए की कभी सुध नहीं ली।

जल-गंगा अभियान भी खल गया

कमिश्नर बी.एस. जामोद ने अभियान की सार्थकता पर प्रकाश डाला कहा कि जल-गंगा संवर्धन अभियान का संदेश सभी के समन्वित प्रयास से धरातल में उतारे तथा शहडोल संभाग के सभी नदी, तालाब, कुआं एवं अन्य जल स्रोतों की पवित्रता एवं दिव्यता बनाए रखें। जर्जर और विलुप्त हो रहे ऐसे स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना होगा। उनके संरक्षण और रखरखाव की दिशा में प्रयास करना होगा। एक ओर कमिश्नर जल स्त्रोतों को लेकर अपनी मंशा जताते हैं और दूसरी ओर नगरपालिका बाजार के अंदर स्थित कुंए में अपनी कारस्तानी दिखाकर कमिश्नर की मंशा पर पानी फे र दिया है। अगर कमिश्नर चाहें तो जायजा भी ले सकते हैं।

कुएं को ही ढांक दिया

नगरपालिका ने कुंए का रखरखाव करने की बजाय उसे हरे रंग की चादर से ढांक कर बंद कर दिया है, ताकि वह दिखाई ही न दे। बताया जाता है कि नगरपालिका ने इस कुंए के रखरखाव में धन बर्बाद करना और संसाधन लगाना जरूरी नहीं समझा। बल्कि वह तो इस फिराक में होगी कि उसकी बिलिंग कर कमीशन बांट लिया जाए। नगर का जल स्तर जिस तरह तेजी से गिर रहा है, वह चिंताजनक है। उसका उपाय यही है कि उपलब्ध प्राकृतिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा कर उनका जल स्थिर रखा जाए जिससे भू-जल का स्तर संतुलित रह सके। नगरपालिका ने जिस तरह की हरकत की है, वह निःसंदेह निंदनीय और दण्डनीय है। कमिश्नर चाहें तो सीएमओ को तलब कर सवाल पूछ सकते हैं।

आवास की राशि आने के बावजूद कच्चे मकान में रह रहा बैगा परिवार

काम चालू करते ही आ जाते है दबंग, नेता और अधिकारी

उमरिया। पूरे देश में पीएम आवास योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू की है। इस योजना को आरंभ करके सरकार चाहती है कि देश के हर बेघर परिवार के पास अपना खुद का घर हो। इसलिए साल 2015 से इस योजना के माध्यम से लाखों की तादाद में नागरिक लाभ ले चुके हैं, लेकिन उमरिया में इसका हाल ही उलटा है।

साहब अब तो बनने दो मकान

सरकार विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति को आर्थिक और सामजिक उत्थान के लिए लाखों प्रयास कर रही है। बैगा जनजाति को प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के माध्यम से उन्हें आवास मुहैया कराकर और अन्य योजनाओं व सुविधाओं का लाभ देकर उनका समग्र विकास करना चाहती है। इसके लिए जिले के अधिकारी भी पूरी लगातार कार्य कर रहे हैं, लेकिन सरकार के सपनों पर ग्राम पंचायत करकेली कुछ जिम्मेदारों के कारण केंद्र एवं राज्य सरकार सपनों में पानी फेर रहे हैं ज़िम्मेदार आधिकारी

एक तरफ अधिकार दूसरी तरफ अत्याचार

जिले के ग्राम पंचायत करकेली जनपद पंचायत करकेली की रहने वाली मनीषा बैगा और उसका परिवार कई वर्षों से कच्चे मकान पर अपने पति राजेंद्र बैगा और अपने छोटे-छोटे बच्चो के साथ रहें रही हैं और उसके पक्के मकान के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 50 हजार की राशि ग्राम पंचायत करकेली के माध्यम से उनके खाते में भी पहुंच गई है, लेकिन कुछ दबंग नेता और अधिकारियों के चलते प्रधानमंत्री आवास नहीं बन पा रहा है।

बैगा महिला ने बताई अपनी बीती

मनीषा बैग पति राजेंद्र बैगा ने बताया कि हमें प्रधानमंत्री आवास योजना स्वीकृत हुआ है एवं 50000 की राशि हमें आवास बनाने के लिए दिया गया है, जैसे ही हम काम चालू करते हैं तो, कोई ना कोई अधिकारी और गांव वाले आकर काम रुकवा देते हैं, क्योंकि मनीषा बैगा भूमिहीन है, उसके पास कोई भूमि नहीं है, लेकिन उसे आवास बनाने के लिए शासन के द्वारा राशि आवंटित की गई है, वह करकेली ग्राम पंचायत में कई वर्षों से एक झोपड़ी में अपने परिवार के साथ छाया बनाकर रह रही है, अब उसको पक्का मकान बनने के लिए राशि तो मिल गई है, लेकिन मकान नहीं बन पा रहा है। अब वह जिले के मुखिया से अपने सपने को साकार करने के लिए और पक्के मकान के लिए मांग कर रही है।

इनका कहना है...

मेरी जानकारी में नहीं है कि तहसीलदार के द्वारा ऐसी कार्यवाही की गई है। नियमानुसार उसका चयन किया गया था और एक किशत भी जारी कर दी गई है।

अशीष अग्रवाल
सचिव
ग्राम पंचायत करकेली

एक सप्ताह से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट, मोहल्ले में है अंधेरा

अनूपपुर। नगर पालिका अंतर्गत नगर के विद्युत पोलो में नगर पालिका के द्वारा स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है जिससे मोहल्लों एवं मुख्य मार्गो में रोशनी बनी रहे, लेकिन नगर पालिका की उदासीनता के चलते नगर के कई ऐसे मोहल्ले हैं जहां काफी दिनों से स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हुई है। नगर के विकास नगर से भालूमाड़ा जाने वाले मार्ग में सरदार फर्नीचर दुकान के पास से पुराने अस्पताल तक एवं पुराने एसडीएम निवास के पीछे सिद्ध गणेश के घरवाली लाइन में लगभग एक सप्ताह से स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हुई है। जिसके कारण मोहल्ला में अंधकार बना हुआ है। मोहल्ले वासियों का कहना है कि कई बार नगर पालिका कर्मचारियों को स्ट्रीट लाइट सुधार कर की जानकारी दी गई लेकिन आज तक स्ट्रीट लाइट का सुधार कर नहीं करवाया गया सबसे ज्यादा परेशानी रात्रि में होती है घरों से निकलने में डर लगता है रात्रि में चोरों का भी खतरा बना रहता है। बारिश का मौसम भी शुरू होने वाला है सांप बिच्छू एवं कई तरह के जहरीले कीड़े निकलते हैं जिससे मोहल्ले वासियों को खतरा है। मोहल्ले वासियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से स्ट्रीट लाइट सुधार करवाए जाने की मांग की है।

कृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग में जमकर झूमे श्रद्धालु

निकाली गई बारात, हुआ भंडारे का आयोजन

कोतमा। नगर के पुरानी बस्ती शिवसागर धाम मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन शुक्रवार को कृष्ण रुकमणी विवाह एवं सुदामा चरित्र का प्रसंग सुनाया गया। कृष्ण-रुकमणी विवाह में श्रद्धालु झमकर झूमे। श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य पंडित नीलेश द्विवेदी ने कहा कि, प्रभु की कृपा के लिए भक्ति की आवश्यकता है। इस दौरान कृष्ण-रुकमणी की सजीव झांकी सजाई गई तथा संगीतमय भजनों पर महिला श्रद्धालु मंत्र मुग्ध होकर जमकर झूमी।

उन्होंने बताया कि ग्वाल कृष्ण ने अपने मामा का नहीं बल्कि उसके अहंकार का वध किया। द्वापर युग में जब कंस का अत्याचार बढ़ा तब भगवान विष्णु ने मनुष्य रूप में श्रीकृष्ण का जन्म लेकर बड़े-बड़े राक्षसों का वध करने के बाद अंत में पापी कंस का वध कर लोगों को उसके अत्याचारों से छुटकारा दिलाया। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा नरेश के रूप में विराजमान होने के साथ देवी रूकमणी से धूमधाम से विवाह किया। मंच पर जैसे ही श्रीकृष्ण-रूकमणी का प्रादूर्भाव हुआ। श्रीहरि के जयघोष से पूरा पांडाल गूंज उठा। कथा वाचक द्वारा उद्घोषित मंत्रोचार के बीच जैसे ही विवाह का कार्य संपन्न हुआ तो श्रद्धालुओं की भीड़ ने पुष्प वर्षा की। पंडाल में सारा जनमानस भाव विभोर होकर झूम उठा। सुदामा चरित्र कथा का वर्णन करते हुए कथा वाचक ने कहा कि, कृष्ण और सुदामा जैसी मित्रता आज कहां है। यही कारण है कि आज भी सच्ची मित्रता के लिए कृष्ण-सुदामा की मित्रता का उदाहरण दिया जाता है। द्वारपाल के मुख से सुदामा सुनते ही द्वारिकाधीश नंगे पांव मित्र की अगुवानी करने पहुंच गए। लोग समझ नहीं पाए कि आखिर सुदामा में क्या खासियत है कि, भगवान खुद ही उनके स्वागत में दौड़ पड़े। श्रीकृष्ण ने स्वयं सिंहासन पर बैठाकर सुदामा के पांव पखारे। कृष्ण-सुदामा चरित्र प्रसंग पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा में रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने पहुंच रहे हैं। शिवसागर धाम मंदिर से श्रीकृष्ण रुक्मणी विवाह की बारात झांकी के साथ निकल गई। बैंड बाजे के साथ लोग नाचते गाते बारात में शामिल हुए बारात पुरानी बस्ती की विभिन्न गलियों से होते हुए वापस शिवसागर धाम मंदिर पहुंची। जहां लोगों ने बारातियों का स्वागत भी किया। बड़ा ही मनोरम दृश्य नजर आ रहा था जब भगवान श्री कृष्ण एवं रुक्मणी का विवाह संपन्न हो रहा था। 15 जून को शिव सागर धाम मंदिर परिसर में भागवत कथा के समापन पक्ष भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

खबर संक्षेप

नो एंट्री का निरंतर हो रहा उल्लंघन, घट सकती है बड़ी दुर्घटना

बुढार। थाने क्षेत्र के शहर के अंदर जैतपुर चौराहे से कालेज तिराहे तक के मुख्य मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक तो प्रतिबंधित किया गया है। लेकिन हाइवा, ट्रक एवं बड़े वाहनों की लम्बी कतार अटल द्वार से लेकर विधुत कार्यालय के समीप मुख्य सड़क पर वाहनों को खड़ा कर वाहन चालक नदारत रहते हैं और सड़क के दोनों ओर वाहनों की धमाचौकड़ी से यातायात व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही है जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्धटना घटित हो सकती है। बुढार पुलिस वाहन चालकों को चेकिंग के बहाने जब तक कागजों की जांच पड़ताल करती है और देखते ही देखते दर्जनों वाहनों के पहिया थम जातें हैं और आवागमन करने वाले दुपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तेज आंधी में महुआ का पेड़ घर में गिरा, बाल बाल बचा आदिवासी परिवार

ब्यौहारी। क्षेत्र में इन अब मानसून की दस्तक के साथ कल नगर में तेज आंधी चली जिसकी चपेट में एक आदिवासी परिवार आ गया सोमवार रात 9 बजे नगर के वार्ड क्रमांक 1 में तेज आंधी से एक बड़ा महुआ का पेड़ गिर गया जिसकी चपेट में राम नरेश कोल मउहार टोला में रहने वाले परिवार के आने से घर पूरी तरह से नष्ट हो गया और एक गरीब परिवार बेघर हो गया लेकिन गनीमत यह रही की किसी के जान माल के नुकसान नहीं हुई घटना की सूचना के बाद राजस्व विभाग से राजकुमार पटेल पटवारी महेंद्र सिंह एवं पार्षद सोनू साकेत मौका पंचनामा पर उपस्थित रहे नगर पालिका का अमला घटना स्थल पहुंचा पीड़ित परिवार ने सरकार क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की मांग की है ।

नगर निगम की टीम ने किया जलबदरी तालाब में श्रमदान

रीवा। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देशानुसार जल स्त्रोत संरक्षण एवं पुनर्जीवन अभियान के अंर्तगत जलबदरी तालाब में नगर निगम की टीम एवं नागरिको द्वारा जल स्त्रोत की साफ सफाई हेतु श्रमदान किया गया। श्रमदान के माध्यम से जल स्त्रोत में मौजूद जल कुम्भी को मानव श्रृंखला बनाकर उसकी साफ सफाई कराई गई साथ ही नागरिकों से अपील की गई की हमे अपने जल स्त्रोतों को गंदा नही करना चाहिए, जल स्त्रोत से ही हमको पीने योग्य पानी मिलता है अगर हम अपने जल स्त्रोतों को गंदा करते हैं तो हमे बीमारियों का सामना करना पड़ता है। नगर निगम द्वारा जल स्त्रोत संरक्षण एवं पुनर्जीवन आभियान के अंर्तगत नगर निगम क्षेत्र में सभी जल स्त्रोत एवं नदी तालाबो में सफाई अभियान का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। नगर निगम द्वारा शहर के सभी नागरिकों से अपील किया गया है कि अपने आस-पास में तालाबों, नदियों आदि में श्रमदान अवश्य करें। श्रमदान के इस अभियान में आईईसी टीम, वार्ड दरोगा एवं वॉर्ड के नागरिकगण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बैठकों की तैयारी हेतु समीक्षा बैठक 18 जून को

रीवा। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग नई दिल्ली द्वारा जिले में आंकाक्षी विकासखण्डों में 25 जून को बेंच का आयोजन किया जाएगा। आयोग की बेंच के संबंध में की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा 18 जून को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में की जाएगी। प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थिति के निर्देश दिए हैं।

नगर के विभिन्न वार्डों की नालियों में कचरे के ढेर, नागरिक ही नहीं पार्षद और पदाधिकारी भी परेशान

कोई कितना ही पीटे ढोल, गंदगी खोल रही सफाई की पोल

धनपुरी। सफाई अभियान एवं स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर सिर्फ ढोल पीटने से कुछ नहीं होगा वार्डों में हकीकत जानने के लिए स्वयं को लगना होगा, यूं एसी में बैठ कर अटकलबाजी करने से कुछ नहीं होगा। धनपुरी नगरपालिका द्वारा हर दिन और महीने लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं फिर भी वार्डों में नालियों की साफ सफाई को लेकर वार्डवासी और पार्षद गण परेशान देखे जा रहे हैं। कुछ प्रमुख चौराहों, तिराहों और मुख्य मार्ग को अपवाद मान लिया जाए तो पूरे नगर में गंदगी का आलम देखा जा सकता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर परिषद कर्मचारियों द्वारा किसी कदर सड़कों पर झाड़ू लगाई जाती है कचड़ा फेंकने की बजाए नाली में डाल देते हैं रोड किसी कदर तो साफ हुआ लेकिन नालियों में रोड का कचड़ा डालने से नाली जाम हो जाती है हफ्तों बाद फिर नाली की सफाई की जाती है। नालियों में फिनाइल या कीटनाशक आदि का उपयोग न होने से दुर्गंध मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। सिर्फ स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर कागजी घोड़े दौड़ रहे हैं हकीकत अगर देखना है तो वार्डों में बनी नालियों की साफ सफाई का अभाव बना हुआ है।

हटे कंटेनर, फैला कचरा

साफ सफाई के नाम पर 28 वार्डों में सफाई के नाम पर काफी पैसे खर्च तो की जाते हैं लेकिन वार्डों में सफाई किस कदर हो रही है यह देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है। कचरा डालने के लिए पहले कंटेनर रखे गए थे अब हटा दिए गए हैं जिससे पूरे रोड में कचरा फैला रहता है

जानवरों के द्वारा कचरे को रोड में फैला दिया जाता है लोगों को निकलने में भी परेशानी होती है।

विपक्ष भी सरेंडर

नगर पालिका में अनुभवी स्वच्छता विभाग सभापति, अनुभवी सफाई निरीक्षक आदि लोग होने के बाद भी सफाई व्यवस्था में ग्रहण क्यों लगता दिखाई दे रहा है जबकि लोगों को कहना है कि चुनाव के पहले परिषद की बैठक नहीं होती थी तब वार्डो में इससे अच्छी सफाई व्यवस्था देखने को मिलती थी। अब क्यों नहीं। विपक्ष पूरी तरह से सरेंडर हो गए हैं इसने कोई लेना देना नहीं वर मारे या कन्या दक्षिण से काम। सफाई कर्मचारी पर्याप्त है इसके बावजूद वार्डों में नालियों की साफ-सफाई ठीक से ना होना समझ से परे है।

असुविधाजनक सुविधा घर

नगर में कई स्थानों पर सुविधा घर की व्यवस्था बनाई गई है लेकिन प्रतिदिन साफ सफाई ना होने से भारी दुर्गंध होने के चलते लोग नगरपालिका को कोसते वही नगर के हृदय स्थल आजाद चौक, के समीप सुविधा घर की व्यवस्था नगर पालिका के द्वारा बना तो दी गई है लेकिन साफ सफाई का अभाव होने के चलते अगल बगल के लोग दुर्गंध से परेशान होते हैं सफाई को लेकर कई बार लोगों में बहस, वाद विवाद जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। आजाद चौक के समीप नपा के द्वारा बनाए गए महिला सुविधा घर असुविधा अधिक देखी जाती है। व पुरुष सुविधा घर में भी साफ सफाई का अभाव पानी की व्यवस्था तक नहीं रहती। जिससे लोगों को काफी सुविधा का सामना करना पड़ता है।

हक वसूली में अव्वल, कर्तव्य पालन में फिसड्डी

कोयला उत्पादन लक्ष्य हासिल करने वाले बुनियादी सुविधाएं वंचित

धनपुरी। जिले की रत्नगर्भा धरती का भरपूर दोहन कर मिनी रत्न का खिताब अर्जित करने वाली कंपनी एसईसीएल ने कोयले का खनन उत्पादन तो पूरे अधिकार के साथ किया लेकिन श्रमवीरों, अधिकारी-कर्मचारियों को कार्य के उपयुक्त वातावरण और बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के दायित्व निर्वहन के मामले में फिसड्डी ही रही है। अमलाई ओसीएम में गेट के पास पानी का, खैरहा माइंस मार्ग अंधकार मय और रामपुर बटुरा ओसीएम में बाउन्ड्रीवाल वाल का अभाव कंपनी के गैर जिम्मेदाराना कार्य शैली के पुख्ता प्रमाण हैं। एसईसीएल से सोहागपुर एरिया मे विगत दिनो बंगवार भूमिगत माइंस, रामपुर बटुआ ओसीएम कंपनी सेफ्टी बोर्ड का दौरा हुआ जहां कंपनी बोर्ड के सदस्यों के द्वारा खदानों का निरीक्षण किया गया। सेफ्टी बोर्ड के टीम के द्वारा रामपुर बटुरा पहुंचकर खदान का निरीक्षण किया खदानों में कोयला उत्पादन से जुड़ी समस्याओं का अवलोकन किया और सुधार करने की बात कही। वही बंगवार भूमिगत माइंस पहुंचकर निरीक्षण के उपरांत खदान में सेफ्टी संबंधी उपकरणों की जरूरत को पूरी की जाए वेंटीलेशन स्टॉपिंग खदान के अंदर सुरक्षा के उपकरण ध्यान आकर्षण कराया गया। लेकिन श्रमवीरों का कहना है कि खदान के अंदर खदान के बाहर सुरक्षा की कमी देखी जा रही है

दस साल में नहीं लगी लाइट

खैरहा मेन गेट से खदान कार्यस्थल पहुंच मार्ग पर आज तक लाइट की व्यवस्था नहीं हो सकी है, शायद आगे भी प्रकाश की व्यवस्था रोड पर दिखाई ना दे। बताया जाता है कि खैरहा खदान पहुंच मार्ग रोड के अलावा कालरी प्रबंधन के पास बिजली पोल गाड़ने के लिए जमीन नहीं है। रोड के अगल बगल किसानों की जमीन जहां खेती किसानी होती है ऐसे में बिजली पोल गाड़ने की व्यवस्था ना होने के चलते खदान खुलने के बाद से अभी तक रोड पर प्रकाश की व्यवस्था नहीं बन सकी है?। प्रबंधन द्वारा और कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई गई जिससे नाइट शिफ्ट में कार्य करने वाले श्रम वीरों को परेशानी से बचाया जा सके। कंपनी बोर्ड के सदस्य खैरहा पहुंच मार्ग पर लाइट की व्यवस्था कब बनाएंगे जिससे नाइट शिफ्ट में चलने वाले कर्मचारियों को दुर्घटना के बच सके।

सडक विहीन अमलाई ओसीएम

अमलाई ओसीएम गेट से प्रबंधन कार्यालय तक के लिए सालो पूर्व टेंडर हुआ था जो किन्हीं कारणों से ठेकेदार के द्वारा कार्य नहीं किया गया और वर्षों से रोड विहीन सड़क चलने के लिए कर्मचारी विवश हैं अमलाई ओसीएम से हर बर्ष करोड़ों का प्रॉफिट होने के बाद भी रोड का निर्माण नहीं हो पा रहा है वर्षा के दिनों में मिट्टी की रोड पर चलने से छुटपुट दुर्घटनाएं आए दिन हो रही हैं। सड़क निर्माण कार्य के लिए नया प्रपोजल बनाकर भेजा गया था जो बिलासपुर कार्यालय में धूल खाती पडी है। सेफ्टी बोर्ड के सदस्य इस समस्या को नजरअंदाज क्यों कर रहे हैं।

बाउंड्री वॉल विहीन खदान

बाउंड्री बिहीन खदानों में आज दिन कोयला चोरी हो रही है वर्षों से बाउंड्री वॉल जर्जर टूटी हुई है प्रबंधन के द्वारा कई बार बाउंड्री वॉल सुधार करने के लिए बिलासपुर बाउंड्री का प्रपोज बनाकर भेजा गया लेकिन बाउंड्री वॉल का सुधार नहीं हुआ जिससे काफी मात्रा में कोयला चोरी आए दिन हो रही है खदान की सुरक्षा व्यवस्था सबसे बड़ी बाउंड्री वॉल होती है लेकिन खदान में सुरक्षा व्यवस्था के लिए बाउंड्री वॉल की रिपेयरिंग तक नहीं की जाती जगह-जगह बाउंड्री वॉल टूटी हुई है खदान की सेफ्टी कैसे होगी इस ओर सेफ्टी बोर्ड कब ध्यान देगी।

हादसों की बाढ

श्रमवीरों को कार्यस्थल तक पहुंचने के लिये, एक चलने लायक अंधेरे से मुक्त मार्ग तक उपलब्ध नहीं करा सकी खदान खुलने के बाद से आज तक डेढ़ किलो मीटर लंबे , अमलाई ओसीएम,खैरहा पहुंच मार्ग में प्रकाश की व्यवस्था नहीं बनाई गई जिससे क्षेत्रीय ग्रामीणों के साथ ही नाइट शिफ्ट में काम करने वाले श्रमिक टूटी-फूटी, गड्ढे और कीचड़ युक्त रोड पर आवागमन करने और आए दिन अनचाही दुर्घटनाओं का शिकार बनने के लिये मजबूर हैं।

कागजी सुरक्षा

सुरक्षा उपायों और श्रमवीरों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी एसईसीएल कंपनी की है जसके लिये वह बाध्य है लेकिन सारे सुरक्षा उपाय कागजों तक ही सीमित हैं। सोहागपुर एरिया प्रबंधन के लोग सुरक्षा उपायों और श्रमवीरों को सुविधाएं मुहैया कराने के मामले में लुका-छिपी का खेल खेलते रहे हैं ।

डीजीएमएस से मांग

सोहागपुर एरिया के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एवं श्रमवीरों ने एरिया प्रबंधन के साथ एसईसीएल के सुरक्षा प्रबंधक एवं डीजीएमएस से अमलाई ओसीएम,खैरहा माइंस सहित सभी खदानों की सड़कों को व्यवस्थित कर श्रमवीरों को कार्य के अनकूल सुविधाएं एवं माहौल उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

लकड़ी बीनने घर से निकले वृद्ध की जंगल में मिली लाश

रीवा। जिले के तराई आंचल में स्थित डभौरा के जंगल में दो दिन से लापता हुए वृद्ध की लाश मिली है। पुलिस ने तकरीबन 9 किलोमीटर पगडंडियों में चलकर जंगल के भीतर से वृद्ध के शव को बरामद किया है, पुलिस के मुताबिक मृतक के शरीर पर जंगली जानवर द्वारा किए गए हमले और दांतों के निशान है, आशंका जाहिर की जा रही है कि बुजुर्ग की मौत जंगली जानवर भालू के हमले से हुई है, फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया है और मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम ओबरी निवासी 78 वर्षीय

लक्ष्मण प्रसाद यादव दो दिन पूर्व लकड़ी बिनने के लिए जंगल गए हुए थे, जहां से वह वापस घर नहीं लौटे परिजनों की शिकायत पर मामले में गुमशुदगी कायम कर लापता बुजुर्ग की तलाश शुरू की गई, तकरीबन दो दिनों से चल रही तलाश के दौरान शनिवार गांव से सटे जंगल में बुजुर्ग की लाश देखी गई जिसे पुलिस और ग्रामीणों ने तकरीबन 9 किलोमीटर तक पैदल पगडंडियों में चलकर बुजुर्ग के शव को बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक जिन परिस्थितियों में लापता वृद्ध का शव मिला है उससे प्रतीत हो रहा है कि जंगली जानवर द्वारा किए गए हमले से बुजुर्ग की मौत हुई है ।

इनका कहना है

मामले में जंगल के अंदर कई किलोमीटर चलने के बाद बुजुर्ग के शव को बरामद किया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

ऋषभ सिंह बघेल डभौरा थाना प्रभारी रीवा

मजदूरी के लिए निकले दो दोस्तों में से एक का नहर के किनारे मिला शव, दूसरा अभी भी लापता

रीवा। जिले के गुढ़ थानाअंतर्गत एक साथ घर से मजदूरी के लिए दो दोस्तों में एक की लाश मिली तो दूसरा अभी भी गायब है। घर से एक साथ निकले दो दोस्तों में एक को मृत अवस्था में पाया गया तो वही दूसरा गायब है जिसकी तलाश परिजन सहित पुलिस कर रही है। वही मृत हालत में मिले व्यक्ति के संबंध में परिजनों ने संदेह व्यक्त किया है, इसके बाद इस पूरे घटना की पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू कर दी है, घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि हर्दी गुढ़ निवासी राम स्वयंवर रावत जो तकरीबन 60 वर्ष का था अपने एक साथी सुखलाल यादव के साथ मजदूरी करने घर से निकला था जो काम से वापस तो लौटे लेकिन घर नहीं पहुंचे। शाम तकरीबन 5 बजे गांव के सरपंच ने यह संदेश दिया कि राम स्वयंवर रावत की मौत हो चुकी है जिसका शव महाडारी छोटी नहर के समीप पड़ा हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे इसके बाद शव को पीएम के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल लाया गया । परिजनों ने आरोप लगाया कि राम स्वयंवर कभी तंबाकू का सेवन नहीं करता था लेकिन उसके मुंह पर तंबाकू मिली है और उसके चेहरे पर चोट के निशान भी है, वही उसके साथी सुखलाल यादव का अभी तक पता नहीं चला है इस संबंध में परिजनों ने मांग की है कि मामले की गंभीरता से जांच की जाए।

बहुचर्चित शिक्षाकर्मी घोटाले में 26 साल बाद कोर्ट ने सुनाया फैसला, 14 दोषियों को मिली सजा

रीवा। जिले के बहुचर्चित शिक्षा कर्मी घोटाले में 26 साल बाद न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है, शुक्रवार को देर रात आए फैसले में 14 दोषियों को न्यायालय ने सजा सुनाई है। इस बहुचर्चित शिक्षाकर्मी घोटाले में 19 दोषियों के खिलाफ लोकायुक्त के द्वारा न्यायालय में रिपोर्ट पेश की गई थी जिसमें तकरीबन 26 साल तक चले इस ट्रायल में चार लोगों की मौत हो गई जिसमें से 14 लोगों को न्यायालय ने सजा सुना दी जबकि एक को दोषमुक्त किया है। लोकअभियोजन से मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला वर्ष 1998 का है, जब जनपद पंचायत जवा में शिक्षा कर्मी वर्ग 1, 2, 3 की भर्ती की जा रही थी। इस दौरान शासन के नियमों को ताक पर रखते हुए भर्ती में जमकर धांधली हुई और पात्र अभ्यर्थियों की शिकायत पर लोकायुक्त ने मामला दर्ज किया। इस दौरान जनपद पंचायत जवा से सबूत के आधार पर भारी मात्रा में दस्तावेज जप्त किए गए थे जिसमें 45 साक्ष और 240 दस्तावेज को न्यायालय ने गहन परीक्षण किया और इस मामले में बीती शाम 14 लोगों को सजा सुना दी गई । इस पूरे मामले में विचरण के दौरान चार लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें सीईओ बाबूलाल तिवारी नंद गोपाल तिवारी सुखलाल और राम शरण शुक्ला शामिल है। जबकि 19 में से एक आरोपी रामानंद तिवारी को दोष मुक्त किया गया है। रीवा के प्रथम आपर सत्र न्यायाधीश मुकेश मलिक की अदालत में 26 साल बाद इस मामले में फैसला सुनाया है जिसमें मौजूद 15 में से 14 लोगों को दोषीओ को अलग अलग धाराओं के तहत सजा सुनाई गई है इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी 2 साल का कारावास और 3-3 हजार रूपए का जुर्माना किया गया है. इसके साथ ही धारा 367 के तहत 3 साल का कारावास और 5-5 हजार रुपय के जुर्माने से दंडित किया गया है जबकि धारा 471 के तहत दो साल के कारावास के साथ 5 हजार रुपय से दंडित किया गया है

संगीत जीवन को तनाव से मुक्त कर देता है - उप मुख्यमंत्री

रीवा । प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने 32वें सुरताल महोत्सव के प्रतिभागियों को सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने सतना के प्रसिद्ध गायक दीपक अंश तथा अदभुत नर्तक आदित्य मालवीय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संगीत का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। संगीत जीवन को तनाव से मुक्त कर देता है। गायन और वादन की कला जीवन में मिठास घोल देती है। श्री कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम विन्ध्य के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दे रहा है। मुकेश एण्ड मुकेश आर्केस्ट्रा ने पिछले 32 वर्षों से विन्ध्य में संगीत की अलख जगाई है। इसके जनक और गुणी कलाकार मुकेश दुबे जी असमय ही हम सबको छोड़कर चले गए लेकिन उनके परिवार के सदस्यों ने सुरताल महोत्सव की परंपरा को बनाए रखा। इसका लगातार और पूरी भव्यता से आयोजन हो रहा है। यह मंच विन्ध्य के कलाकारों को आगे बढ़ने के अवसर देने के साथ-साथ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कलाकारों के

माध्यम से कलाकारों को प्रेरित भी कर रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्हें सही समय पर अवसर मिले तो वो दुनिया फतह कर सकते हैं। हाल ही में थल सेना अध्यक्ष बने उपेन्द्र द्विवेदी रीवा के और कुछ दिनों पूर्व देश की नौसेना के अध्यक्ष बने दिनेश त्रिपाठी सतना के लाल हैं। आज देश की दो सेनाओं की कमान विन्ध्य के सपूतों के हाथ में है। क्रिकेट में ईश्वर पाण्डेय और कुलदीप सेन ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रीवा का नाम रोशन किया है। उप मुख्यमंत्री ने समारोह में द टाकिंग ट्विटर पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि छोटे बच्चों को खेल-खेल में शिक्षित करने का यह इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और पुस्तक बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। अंतरा दुबे और श्लोक दुबे ने स्टार्टअप के रूप में बहुत शानदार कार्य किया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्टार्टअप और मेक इन इंडिया जैसे अवसर देकर युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। देश के लाखों युवा इन अवसरों का लाभ उठाकर नई सफलताएं प्राप्त कर रहे हैं। समारोह में समाजसेवी परमजीत सिंह डंग ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उप मुख्यमंत्री तथा अन्य अतिथियों का स्वागत देवेन्द्र दुबे, डॉ प्रवीण दुबे ने किया। समारोह का संचालन डॉ आरपी तिवारी ने किया। समारोह में पूर्व महापौर राजेन्द्र ताम्रकार, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

मऊगंज थाना क्षेत्र के चंदेह निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, मौके पर पहुंची पुलिस

मऊगंज। थाना क्षेत्र के चंदेह गांव निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही परिजनो में हड़कंप मच गया। परिजन पुलिस को सूचना दिये मोकेपर पहुंची पुलिस ने मौका पंचनामा तैयार कर शव पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया और पीएम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया गया कि चंदेह गांव निवासी विकास पटेल 13-14 जून की दरमियानी रात घर आया और दरवाजा बंद कर कमरे में सो गया जब आज सुबह आठ बजे तक दरबाजा नही खुला तो परिजन आबाज लगाने लगे पर कमरे के अंदर से युवक की कोई हलचल नही दिखी तो किबाड़ तोड़कर परिजन कमरे मे गये तो देखा की मृत हालत मे युवक चारपाई के नीचे जमीन पर पड़ा था।परिजनो को संदेह है की अत्यधिक शराब पीने से उसकी मौत हुई होगी। क्योंकि जब वह घर आया था तो शराब का सेवन किये था। पुलिस ने पीएम के बाद सब परिजनों को सौंप दिया है।पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारण का पता चलेगा।

अवैध शराब के अड्डों पर आबकारी पुलिस ने दबिश देकर चार प्रकरण किया पंजीबद्ध

कलेक्टर के दिशा-निर्देश पर ढाबों, होटलों की जांच पड़ताल की गई

बुढार। कोयलांचल क्षेत्र के अवैध शराब के कारोबारियों के अड्डों पर शुक्रवार की रात्रि आबकारी पुलिस ने ढाबा एवं होटलों में दबिश देकर जांच पड़ताल करते हुए 4 प्रकरण दर्ज किया है। कलेक्टर तरुण भटनागर के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में 14 जून को शहडोल जिले एवं बुढार व्रत के अंतर्गत अवैध शराब के विभिन्न ठिकानों पर अवैध मदिरापान करने वाले होटल एवं ढाबों पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए चार प्रकरण कायम कर अवैध शराब की गतिविधियां की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्रवाई किये जाने का मामला संज्ञान में आया है। इस संबंध में आबकारी उप निरीक्षक रजनीश त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर के दिशा-

निर्देश पर हाइवे मार्ग पर होटलों एवं ढाबों में अवैध रूप से शराब न परोसी जायें जिसके रोकथाम के लिए अनेक अड्डों पर जांच पड़ताल की गई है जिसमें अवैध रूप से शराब का विक्रय करने एवं होटलों में बैठाकर मदिरा पान का सेवन करने वाले पर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। आबकारी उप निरीक्षक रजनीश त्रिपाठी ने मदिरापान करने वालों एवं मदिरा विक्रय करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। इस धरपकड़ कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक संपत्तियां मरावी, आबकारी आरक्षक रघुवंश शुक्ला एवं गोपाल सिंह मरावी की भूमिका सराहनीय रही।

खबर संक्षेप

निमहा के आठ लोगों को मिली नौकरी

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत निमहा में भूमि अधिग्रहण के बदले भू-विस्थापित योजना के तहत एसईसीएल में नौकरी के पात्र लोगों को नियुक्ति पत्र का वितरण कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत निमहा के आठ पात्र लोगों को जिनका भू अधिग्रहण के बदले भू-विस्थापित योजना के तहत एसईसीएल में नौकरी प्राप्त हुई है, उन्हें नियुक्ति पत्र का वितरण किया। जिन्हें नियुक्ति पत्र वितरित किए गए उनमें कुमारी ओमवती प्रजापति, रामखेलावन, रमेश सिंह, तीरथ प्रसाद त्रिपाठी, संपत लाल, दयाचंद दास, ललन दास एवं जितेंद्र कुमार मिश्रा के नाम शामिल हैं। इस दौरान राज्य मंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने पर ग्राम में माह के सभी आठ हितग्राहियों को नौकरी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में राज्य मंत्री का स्वागत साल एवं श्रीफल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सीसीएल जमुना कोतमा एरिया के जनरल मैनेजर एचएस मदान, उप क्षेत्रीय प्रबंधन विपिन कुमार सहित अन्य एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जलाशय में कूदा युवक नहीं आया वापस

अनूपपुर। शंभू धारा घूमने गये 5 नौजवानों की टीम में एक नौजवान की डूबने से मौत हो गई। इस मामले मे मिली जानकारी के अनुसार धिरौल देवहरा थाना चचाई निवासी व टीव्हीएस शोरूम अनूपपुर के संचालक गजेन्द्र पटेल पिता रामचरण पटेल उम्र 26 वर्ष अपने साथी मनीष, पवन, राजेश व आलोक के साथ शनिवार की सुबह अमरकंटक घूमने निकले थे जो दोपहर 2 बजे पिकनिक स्पॉट शंभूधारा पहुंचे थे जहां कुछ साथी खाना खा रहे थे तो कुछ शंभूधारा पिकनिक स्थल में नहा रहे थे। इसी दौरान गजेन्द्र पटेल भी जलाशय मे कूदा, लेकिन वह जलाशय से बाहर नही निकल सका। जिसके बाद इसकी सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू की। समाचार लिखे जाने तक गजेन्द्र पटेल नहीं मिल सका था। इस दौरान शाम को गजेन्द्र पटेल की तलाश करने के गोताखोरों की टीम अमरकंटक पहुंच गई है, प्रशासन युद्ध स्तर पर लताश मे लगा हुआ है। पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा रखी है।

एसआईएस की भर्ती शिविर कल से

अनूपपुर। शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एस.आई.एस. इण्डिया लिमिटेड, अनुपपुर द्वारा सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर तथा सुरक्षा अधिकारी के भर्ती हेतु विशेष रोजगार शिविर का आयोजन 17 से 26 जून तक किया जाएगा। यह शिविर 17 जून 2024 को कोतमा जनपद परिसर, 18 जून 2024 को शासकीय आईटीआई कोतमा, 19 जून 2024 को बदरा जनपद परिसर, 20 जून 2024 को पुष्पराजगढ़ जनपद परिसर, 21 जून 2024 को शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़, 24 जून 2024 को जैतहरी जनपद पंचायत, 25 जून 2024 को शासकीय महाविद्यालय जैतहरी तथा 26 जून 2024 को तुलसी कॉलेज अनूपपुर में प्रातः 10:30 बजे से शाम 3:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। सुरक्षा जवान हेतु शैक्षणिक योग्यता 10 वीं पास/फेल, आयु 19 से 40 वर्ष, सुरक्षा सुपरवाइजर हेतु शैक्षणिक योग्यता 12 वीं पास, आयु 21 से 40 वर्ष तथा सुरक्षा अधिकारी हेतु शैक्षणिक योग्यता स्नातक, आयु 21 से 36 वर्ष होना चाहिए।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल 16 जून को प्रातः 7 बजे सूर्य मंदिर देवी तालाब बिजुरी में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन अंतर्गत साफ-सफाई कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

नकली खाद किसानों को कर रहा बर्बाद

बाजार में फर्जी कंपनियों का उतरा नकली खाद-बीज

जिम्मेदारों की मूक सहमति से व्यापारियों की चांदी

किसान की भूमि से जो उपज होती है उसी से उसका जीवन-यापन चलता है। इस तरह किसान के कमर की रीढ़ भूमि मानी जाती है और यदि रीढ़ टूट जाये तो स्वाभाविक है कि किसान अपाहिज हो जायेगा।

अनूपपुर।

यदि उसे नकली खाद व बीज मिल गया तो साल भर की मेहनत पर पानी फिर जायेगा, लेकिन इसकी परवाह किसी को नहीं है। बाजार के अंदर भारी मात्रा में नकली खाद व बीज का भंडारण व्यापारियों द्वारा किया गया है और किसानों को लूटने की पूरी तैयारी चल रही है। इसके पहले कि किसान लुटे प्रशासन को हरकत में आना चाहिये ताकि नकली खाद व बीज जप्त हो सके अन्थया किसान बेवजह मारा जायेगा। अनूपपुर, कोतमा, राजेन्द्रग्राम, फुनगा जैतहरी, वेंकटनगर, अमरकंटक, बिजुरी जैसे प्रमुख स्थानों पर दुकानदार नकली खाद बीज का भंडारण किये हुये है।

जिले में कुछ बीज व्यापारियों द्वारा कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ मिली भगत कर बड़े पैमाने पर अंधेरगर्दी मचाये हुये है और विभागीय अमला कुम्भकर्णी निद्रा में सोया हुआ है। किसानों का हितैषी बताने वाला कृषि विभाग की सारी हकीकत उस समय सामने आ जाती है जब किसानों के हाथ में नकली खाद व बीज का पैकेट होता है।

फर्जी कंपनियों का उतरा माल

जिले के अंदर फर्जी कंपनियों के बीज भारी मात्रा में आने की जानकारी मिली है और व्यापारियों ने इसी बीज को खपाने की रणनीति तैयार कर ली है। ब्रांडेड कंपनियों का लेबल लगाकर माल को पैक किया जा रहा है और जिले के प्रशासनिक अधिकारी ऑख में पट्टी बांधे बैठे हुये है अभी तक एक भी दुकान पर ना तो निरीक्षण हुआ और न ही कार्यवाही, इससे स्पष्ट होता है कि प्रशासनिक अधिकारियों का संरक्षण दुकानदारों को प्राप्त है। इस धान बीज के पैकेट पर शासन की आवश्यक अनुमति अथवा प्रमाणीकरण की कोई जानकारी दर्शित नहीं होती है।

सो रहा कृषि विभाग

उल्लेखनीय है कि बाजार में घटिया बीज बेचे जाने के मामलों को जिले के कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा कभी उजागर नहीं किया जाता है। इन मामलों को या तो घटिया बीज खरीदकर लुट जाने वाला किसान उजागर करता है या फिर मीडिया के सजग प्रहरी। उसके बाद भी जिले के कर्णधार अपनी जिम्मेदारियों का पूरा न करते हुये उससे ऑख चुराने का प्रयास करते रहते है। इधर किसान अमानक स्तर का खाद बीज व दवाईयां खरीदकर अपनी फसल की बर्बादी को खुली ऑखों से देखता रहता है।

वास्तविक उत्पादन की भी नहीं होती जांच

उधर संबंधित कंपनी कृषि विभाग को चढ़ौत्री चढ़ाकर पुनः बाजार में अपने अमानक उत्पादनों को बेचना शुरू कर दी है वहीं जिले में बीच उत्पादक सहकारी समितियां रिकार्ड में दिखाई गई है, लेकिन इनमें से कितनी समितियां वास्तव में धान बीज का उत्पादन कर रही है, इसका जायजा लेने की कोशिश कृषि विभाग द्वारा नहीं की गई।

अधिकारियों व व्यापारियों की चल रही सांठ-गांठ

बैंकों के कर्ज, नकली बीज, घटिया खाद व कीट नाशकों के प्रयोग से बर्बाद होती फसलों के कारण जिले के किसानों द्वारा लगातार आत्महत्या के मामले प्रकाश में आते रहते है लेकिन उसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस पर रोक नहीं लगाई जा पा रही है। अब लगता है कि जिले के किसानों के साथ भी ऐसे ही कुछ होने जा रहा है जहां जिले में किसानों को आत्महत्या की ओर विवश करने का षडयंत्र कृषि विभाग के अधिकारियों और बीज उत्पादक कंपनियों, व्यापारियों की सांठ-गांठ से रचा जा रहा है। यदि वास्तव में कृषि विभाग के अधिकारी और प्रशासन किसानों के हित चिंतक है तो उन्हे तत्काल जिलें में बीज उत्पादक समितियों बाजार में व्यापारियों द्वारा बेजी जा रही कीटनाशक धान, बीज और दवाईयों का परीक्षण कराना चाहिये और किसानों को घटिया उत्पाद खरीदने से बचाना चाहिये।

दो हाथियों का समूह पहुंचा एमपी बॉर्डर

वन विभाग हुआ अलर्ट, निरंतर रखी जा रही निगरानी

अनूपपुर।

विगत एक माह से दो हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य के वन परिक्षेत्र मरवाही अंतर्गत घुसरिया बीट में निरंतर विचरण कर रहा था जिससे परेशान ग्रामीणों द्वारा शुक्रवार एवं शनिवार की रात परेशान होकर दोनों हाथियों को अपने स्थान से भगाने का प्रयास किए जाने पर दोनों हाथी मरवाही वन परिक्षेत्र के शिवनी बीट अंतर्गत डडिया-घिनौची के जंगल कक्ष क्रमांक पीएफ 2049 में शनिवार के पहुंचकर दिन मे विश्राम कर रहे हैं। यह स्थान मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील एवं वन परिक्षेत्र के चोलना गांव एवं बीट से दो से चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। शनिवार की देर शाम दोनों हाथियों का समूह अनूपपुर जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र एवं तहसील के चोलना गांव या कोतमा तहसील एवं वन परिक्षेत्र के पोडी-चोडी या पड़ौर गांव एवं बीट में प्रवेश करने की संभावना बन रही है जिसे देखते हुए जैतहरी एवं कोतमा के वन विभाग के अधिकारी/कर्मचारी पूरी तरह सतर्क हो कर हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखे हुए हाथियों के पूर्व विचरण रास्ते के गांव, टोला, मोहल्ला के ग्रामीणों को रात्रि समय सतर्क रहने हेतु मुनादी एवं अन्य माध्यमो से सूचना दी जा रही है। ज्ञातव्य है कि यह दोनों हाथी जिसमें एक एक दांत एवं एक दो दांत वाले हाथी विगत वर्षों पूर्व आए पांच हाथियों के समूह के ही सदस्य हैं जो एक वर्ष पूर्व चार जुलाई की सुबह छग राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र के घुसरिया, शिवनी बीट से विचरण करते मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील एवं वन परिषद के जो ना बीट के चलना तथा बच्चा टोला में आकर विश्राम किया रहे। इसके बाद निरंतर कई माह तक अनूपपुर जिले के आने को वन पर क्षेत्र में विचरण करते हुए अलग-अलग की संख्या में बट कर आवागमन करते रहे हैं।

केल्हौरी में सोन नदी तट पर बेजुबान पशुओं की मौत

चचाई।

ग्राम पंचायत केल्हौरी में ग्राम के किनारे स्थित सोन नदी जिस पर आगे ओरिएंट पेपर मिल द्वारा नदी पर स्थाई रपटा पानी हेतु बनाया गया है जिसके कारण सोन नदी के दोनों पाटो में कई मीटर तक कपू मालवा कीचड़ ने अपनी मोटी दलदलनुमा परत बना ली है जिसके कारण ग्राम केल्हौरी व आसपास गांव के जानवर नदी किनारे चरते हुए अपने पानी की प्यास को बुझने हेतु उतरते ही उस दलदल में फंसकर मौत के आगोश में समा जाते हैं। ग्राम केल्हौरी के ग्रामीणों ने बताया कि आए दिन जानवर दलदल में फंसकर मर रहे हैं जिन जानवरों पर ग्रामीणों की नजर पड़ जाती है उन्हें ग्रामीण जोखिम उठाकर किसी तरह बाहर निकाल लेते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ओरिएंट पेपर मिल द्वारा स्थाई रखना का गेट बरसात में भी नहीं खोलने से नदी के दोनों पाटो पर कीचड़ नुमा दलदल से ग्राम वासियों को पशुधन की भारी क्षति हो रही है। सूत्रों की माने तो नदी के दलदल पर बड़ी संख्या में जानवर मारे जा रहे हैं। केल्हौरी ग्राम वासियों ने ग्राम के सरपंच व सचिव सहित जिला प्रशासन से इस और ध्यान देने की मांग की है ताकि बेजुबान पशुओं को प्यास बुझाने की जगह मौत को गले ना लगाना पड़े और ग्रामीणों को पशुधन की हानि न हो।

बैहार में प्राकृतिक झरना व पहाड़ी पानी के संचय स्थल को बनाया गया जनोपयोगी

ग्रामीणों को दी गई जल संचय व पौधरोपण के महत्व की जानकारी

अनूपपुर।

जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत बैहार में प्राकृतिक झरने के जल स्त्रोत स्थल की साफ सफाई के साथ ही जीर्णोद्धार कार्य जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है जिसमें स्थानीय ग्रामीणों का भी श्रमदान के माध्यम से सहयोग प्राप्त हो रहा है ग्रामीणों ने बताया कि प्राकृतिक झरना बारहमासी पानी का जल स्त्रोत है जिससे ग्रामीण जन बड़ी संख्या में लाभान्वित होते हैं।

पहाड़ी पानी को बनाया गया जनोपयोगी

जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत बैहार में जहां एक और पुराने कुएं की साफ सफाई कर उसे जनहित के पेयजल स्त्रोत के रूप में उपयोगी बनाए जाने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया है वहीं पहाड़ से गिरने वाले पानी को सड़क के किनारे चेक डैम के सहारे रोककर उसे ग्रामीणों के निस्तार उपयोगी बनाया गया है जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा जनपद पंचायत के सीईओ श्री बीएम मिश्रा व स्थानीय ग्राम पंचायत के अमले द्वारा इन जल संरचनाओं के बेहतर रखरखाव के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया स्टॉप डैम से पशुओं को भी पेयजल की आपूर्ति हो रही है। तथा यह स्थल ग्राम के सौंदर्य केंद्र के रूप में भी स्थापित हो गया है।

जल संचय के लिए ग्रामीणों को किया गया प्रेरित

ग्राम के जल संरक्षण और संवर्धन के लिए ग्राम वासियों की बैठक कर उन्हें जल संचय तथा पौधारोपण के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई तथा जल संचय के साथ ही आगामी वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधारोपण कर ग्रामीण परंपरा को कायम रखने की अपील की गई। ग्राम बैहार में जनपद जैतहरी के सीईओ बीएम मिश्रा सामाजिक कार्यकर्ता श्याम नारायण शुक्ला, विजय सिंह राठौर सहित ग्राम पंचायत के सचिव रोजगार सहायक सहित स्थानीय सरपंच उप सरपंच एवं पंचगानों व जनपद सदस्य का सहयोग उल्लेखनीय रहा है।

जल संरक्षण व संवर्धन के साथ ही भावी पीढ़ी को जल संचय का दिया जा रहा संदेश

अमरकंटक में स्थानीयजनों ने बढ़ चढ़कर किया श्रमदान

अनूपपुर।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ नगरीय क्षेत्र मे जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों स्वयंसेवीओं द्वारा जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं तथा भावी पीढ़ी को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में नगरीय निकाय कोतमा के वार्ड क्रमांक 4 के पुरनिया तालाब में साफ सफाई तथा गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत ओढेरा में तालाब की साफ सफाई श्रमदान से की जा रही है तथा भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हेतु तालाबो का गहरीकरण का कार्य भी बड़ी संख्या में लिया गया है ताकि वर्षा जल का अधिक संग्रहण कर भूमिगत जल स्तर में वृद्धि की जा सके।

कछराटोला में स्टाप डैम की हुई सफाई

इसी तरह ग्राम पंचायत कछराटोला के स्टापडैम की साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश आमजन को दिया जा रहा है तथा तालाबों से गाद निकालकर किसानों के खेतों में डलवाई जा रही है जिससे किसानों के खेतों की उर्वरता क्षमता में वृद्धि हो सके जिससे फसलों की उपज को बढ़ाया जा सके

अमरकंटक में स्थानीय जनों ने बढ़ चढ़कर किया श्रमदान

नगर परिषद अमरकंटक के सरोवरो के आसपास लगी झाड़ियां को काटकर साफ-सफाई तथा गहरीकरण एवं गाद निकासी का कार्य बड़े पैमाने पर स्थानीय संत समाज, नगर परिषद अमरकंटक के पदाधिकारी, सीएमओ,कर्मचारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओ वतन सेवा समिति, फलक सेवा समिति, मां नर्मदा संरक्षण ग्राम प्रस्फुटन समिति के स्वयंसेवकों द्वारा जलकुंभी, कचरा एवं मिट्टी गाद निकालने तथा जल संरक्षण व संवर्धन का कार्य किया जा रहा है।